परिचय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» व्यष्टि अर्थशास्त्र और समष्टि अर्थशास्त्र का परिचय

प्रश्न 1 (आसान). एक दुकानदार ने अपने ग्राहकों को दी जाने वाली छूट का फैसला किया। यह किस अर्थशास्त्र का हिस्सा है?
उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 2 (आसान). पूरे देश में मुद्रास्फीति (inflation) का बढ़ना किस अर्थशास्त्र का विषय है?
उत्तर – समष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 3 (मध्यम). जब हम किसी एक विशेष बाज़ार में किसी वस्तु की माँग और पूर्ति का अध्ययन करते हैं, तो हम किस अर्थशास्त्र की बात कर रहे होते हैं?
उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 4 (कठिन). भारत सरकार ने पेट्रोल पर टैक्स बढ़ाने का फैसला किया, जिससे देश भर में पेट्रोल की कीमतें बढ़ गईं। इस निर्णय का अध्ययन किस अर्थशास्त्र के दायरे में आएगा?
उत्तर – समष्टि अर्थशास्त्र (क्योंकि यह एक सरकारी नीति है जिसका प्रभाव पूरे देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है, भले ही व्यक्तिगत रूप से हर कोई प्रभावित हो)

» समग्र आर्थिक परिवर्तियों का एक साथ संचलन

प्रश्न 5 (आसान). अगर देश में सभी फैक्ट्रियों का उत्पादन कम हो जाए, तो रोजगार पर क्या असर होगा?
उत्तर – रोजगार का स्तर कम होगा।

प्रश्न 6 (आसान). जब महंगाई बढ़ती है, तो इसका मतलब है कि चीज़ों का क्या हो रहा है?
उत्तर – कीमत स्तर बढ़ रहा है।

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर किसी देश में लगातार दो-तीन सालों तक खेती और उद्योग दोनों में उत्पादन कम हो जाए, तो 'समग्र आर्थिक परिवर्तियों का एक साथ संचलन' के आधार पर अर्थव्यवस्था में और क्या-क्या देखने को मिल सकता है?
उत्तर – रोजगार का स्तर कम हो सकता है और सामान्य कीमत स्तर में भी गिरावट आ सकती है या स्थिरता बनी रह सकती है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक अर्थव्यवस्था में जब सरकार कोई बड़ा प्रोजेक्ट शुरू करती है जिससे उत्पादन बढ़ता है, तो यह 'समग्र आर्थिक परिवर्तियों का एक साथ संचलन' को कैसे प्रभावित करता है और इसके क्या दूरगामी परिणाम हो सकते हैं?
उत्तर – उत्पादन बढ़ने से रोजगार बढ़ेगा। लोगों की आय बढ़ने से वस्तुओं और सेवाओं की माँग भी बढ़ेगी, जिससे कीमत स्तर पर दबाव आ सकता है। दूरगामी परिणाम यह होगा कि अर्थव्यवस्था में समृद्धि आएगी, लेकिन अगर माँग बहुत तेज़ी से बढ़ी तो महंगाई भी बढ़ सकती है।

» समष्टि अर्थशास्त्र में सरलीकरण: प्रतिनिधि वस्तु का विचार

प्रश्न 9 (आसान). समष्टि अर्थशास्त्र में 'प्रतिनिधि वस्तु' का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – अर्थव्यवस्था की जटिलताओं को कम करना और विश्लेषण को सरल बनाना।

प्रश्न 10 (आसान). क्या 'प्रतिनिधि वस्तु' कोई असली वस्तु होती है, जैसे चावल या कपड़ा?
उत्तर – नहीं, यह एक काल्पनिक वस्तु होती है जो सभी वस्तुओं के औसत स्तर को दर्शाती है।

प्रश्न 11 (मध्यम). जब हम कहते हैं कि 'प्रतिनिधि वस्तु' का उत्पादन बढ़ गया है, तो इसका अर्थव्यवस्था पर क्या प्रभाव पड़ता है?
उत्तर – इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था में कुल मिलाकर सभी वस्तुओं और सेवाओं का औसत उत्पादन स्तर बढ़ गया है।

प्रश्न 12 (कठिन). प्रतिनिधि वस्तु के विचार की एक सीमा या कमी बताइए।
उत्तर – यह विभिन्न वस्तुओं की विशिष्ट विशेषताओं या उनके बीच के अंतरों की उपेक्षा कर सकता है, जिससे कुछ बारीकियाँ छूट सकती हैं।

» व्यष्टि अर्थशास्त्र बनाम समष्टि अर्थशास्त्र: गहरा अंतर

प्रश्न 13 (आसान). कौन-सा शब्द 'व्यक्तिगत' आर्थिक निर्णयों से जुड़ा है - व्यष्टि या समष्टि?
उत्तर – व्यष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 14 (आसान). जब हम 'पूरे देश की महंगाई' की बात करते हैं, तो यह व्यष्टि है या समष्टि?
उत्तर – समष्टि अर्थशास्त्र

प्रश्न 15 (मध्यम). एक परिवार अपने खर्चों का प्रबंधन कैसे करता है? यह व्यष्टि अर्थशास्त्र है या समष्टि अर्थशास्त्र का उदाहरण?
उत्तर – यह व्यष्टि अर्थशास्त्र का उदाहरण है, क्योंकि यह एक 'व्यक्तिगत परिवार' के निर्णय से संबंधित है।

प्रश्न 16 (कठिन). कीमत स्तर (price level) पूरे देश की अर्थव्यवस्था को कैसे प्रभावित करता है, इस पर अध्ययन किस शाखा के अंतर्गत आएगा? कारण सहित बताइए।
उत्तर – यह समष्टि अर्थशास्त्र के अंतर्गत आएगा। क्योंकि 'कीमत स्तर' (price level) एक समग्र आर्थिक चर है जो पूरे देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है, न कि केवल एक व्यक्ति या फर्म को।

» समष्टि अर्थशास्त्र के एजेंट और उद्देश्य

प्रश्न 17 (आसान). जब एक किसान अपनी फसल बेचने का फैसला करता है, तो क्या यह समष्टि अर्थशास्त्र का एजेंट निर्णय है?
उत्तर – नहीं, यह व्यष्टिगत निर्णय है क्योंकि यह उसके निजी लाभ से जुड़ा है।

प्रश्न 18 (आसान). भारतीय रेलवे द्वारा नए रूट्स पर ट्रेनें चलाना किस तरह का निर्णय है?
उत्तर – समष्टिगत, क्योंकि इसका उद्देश्य आम जनता को यात्रा सुविधा देना है।

प्रश्न 19 (मध्यम). भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) शेयर बाजार को नियंत्रित करता है। यह किस प्रकार का एजेंट है और इसका उद्देश्य क्या है?
उत्तर – SEBI एक समष्टिगत एजेंट है। इसका उद्देश्य निवेशकों के हितों की रक्षा करना और शेयर बाजार में पारदर्शिता बनाए रखना है, जो कि एक सार्वजनिक लक्ष्य है।

प्रश्न 20 (कठिन). एक बड़ी कंपनी ने पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाला कचरा फैलाया, और सरकार ने उस पर भारी जुर्माना लगाया। सरकार का यह कदम किस प्रकार के उद्देश्य को दर्शाता है?
उत्तर – सरकार का यह कदम 'सार्वजनिक लक्ष्यों' को दर्शाता है, जिसमें पर्यावरण संरक्षण और जनता के स्वास्थ्य की रक्षा शामिल है। यह व्यक्तिगत लाभ की बजाय पूरे समाज की भलाई के लिए है।

» समष्टि अर्थशास्त्र का उद्भव: कीन्स और महामंदी

प्रश्न 21 (आसान). जॉन मेनार्ड कीन्स की प्रसिद्ध पुस्तक का क्या नाम है?
उत्तर – 'द जनरल थ्योरी ऑफ एम्प्लॉयमेंट, इंटरेस्ट एंड मनी'

प्रश्न 22 (आसान). महामंदी किस वर्ष शुरू हुई थी?
उत्तर – 1929

प्रश्न 23 (मध्यम). महामंदी से पहले अर्थशास्त्री किस परंपरा में विश्वास रखते थे?
उत्तर – क्लासिकी परंपरा

प्रश्न 24 (कठिन). महामंदी ने समष्टि अर्थशास्त्र के उद्भव में क्या भूमिका निभाई?
उत्तर – महामंदी ने क्लासिकी अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को गलत साबित किया और यह दिखाया कि अर्थव्यवस्था हमेशा 'पूर्ण रोज़गार' पर नहीं रहती, जिससे सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता महसूस हुई और समष्टि अर्थशास्त्र एक अलग शाखा के रूप में उभरा।

» पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताएं और कार्यप्रणाली

प्रश्न 25 (आसान). पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में 'उत्पादन के साधन' किसके स्वामित्व में होते हैं?
उत्तर – निजी व्यक्तियों या फर्मों के।

प्रश्न 26 (आसान). एक पूंजीवादी फर्म का मुख्य उद्देश्य क्या होता है?
उत्तर – बाज़ार में सामान बेचकर लाभ कमाना।

प्रश्न 27 (मध्यम). अगर कोई व्यक्ति अपने खेत में सिर्फ अपने परिवार के लिए फसल उगाता है और बाज़ार में कुछ नहीं बेचता, तो क्या यह पूंजीवादी कार्यप्रणाली का उदाहरण है? क्यों?
उत्तर – नहीं, क्योंकि पूंजीवादी व्यवस्था में 'बाज़ार के लिए उत्पादन' एक महत्वपूर्ण विशेषता है।

प्रश्न 28 (कठिन). आज के समय में दुनिया के सभी देश शुद्ध रूप से पूंजीवादी हैं क्या? इस पर अपने विचार बताओ।
उत्तर – नहीं, ज़्यादातर देश 'मिश्रित अर्थव्यवस्था' (mixed economy) का पालन करते हैं, जहाँ पूंजीवादी विशेषताओं के साथ-साथ सरकार का भी महत्वपूर्ण हस्तक्षेप होता है। शुद्ध पूंजीवाद बहुत कम देशों में पाया जाता है।

» अर्थव्यवस्था के चार प्रमुख क्षेत्रक

प्रश्न 29 (आसान). वह क्षेत्रक जो वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करता है?
उत्तर – फर्म

प्रश्न 30 (आसान). क्या परिवार सिर्फ वस्तुओं का उपभोग करते हैं या कुछ और भी करते हैं?
उत्तर – उपभोग करते हैं और उत्पादन के कारक (जैसे श्रम) भी प्रदान करते हैं।

प्रश्न 31 (मध्यम). अगर भारत किसी दूसरे देश से मोबाइल फोन आयात करता है, तो यह अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्रक के अंतर्गत आएगा?
उत्तर – बाह्य क्षेत्रक

प्रश्न 32 (कठिन). बताओ, सरकार के मुख्य कार्य क्या हैं जो उसे एक महत्वपूर्ण क्षेत्रक बनाते हैं?
उत्तर – सरकार नियम बनाती है, कर (टैक्स) एकत्र करती है, सार्वजनिक सेवाएं (जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य) प्रदान करती है और आय का पुनर्वितरण करती है।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. नीचे दिए गए कथनों को पहचानो कि वे व्यष्टि अर्थशास्त्र से संबंधित हैं या समष्टि अर्थशास्त्र से:

› 1. एक उपभोक्ता ने एक विशेष मोबाइल खरीदने का फैसला किया।
› 2. सरकार ने पूरे देश के लिए नई रोज़गार नीति बनाई।
› 3. एक कंपनी ने अपनी उत्पादन लागत कम करने की योजना बनाई।
› 4. देश की राष्ट्रीय आय में 5% की वृद्धि हुई।

उत्तर – 1. व्यष्टि अर्थशास्त्र (Microeconomics) - क्योंकि यह एक व्यक्तिगत उपभोक्ता के निर्णय से जुड़ा है।
2. समष्टि अर्थशास्त्र (Macroeconomics) - क्योंकि यह पूरे देश के रोज़गार के स्तर से संबंधित है।

3. व्यष्टि अर्थशास्त्र (Microeconomics) - क्योंकि यह एक व्यक्तिगत फर्म के निर्णय से जुड़ा है।

4. समष्टि अर्थशास्त्र (Macroeconomics) - क्योंकि यह पूरे देश की कुल आय से संबंधित है।

उदाहरण 2. मान लीजिए एक गाँव की अर्थव्यवस्था में पिछले साल की तुलना में इस साल खेती का उत्पादन 10% बढ़ा है, और गाँव में बनी छोटी फैक्ट्रियों में भी उत्पादन 5% बढ़ा है। इससे गाँव के लोगों के रोजगार और सामान्य वस्तुओं की कीमतों पर क्या असर दिखेगा?

› पहला कदम: हमें यह समझना होगा कि खेती और फैक्ट्री, दोनों ही उत्पादन के महत्वपूर्ण हिस्से हैं और दोनों में वृद्धि हुई है।

› दूसरा कदम: 'समग्र आर्थिक परिवर्तियों का एक साथ संचलन' के सिद्धांत के अनुसार, जब उत्पादन बढ़ता है, तो रोजगार भी बढ़ता है। ज़्यादा उत्पादन के लिए ज़्यादा लोगों की ज़रूरत होती है।

› तीसरा कदम: सामान्य वस्तुओं की कीमतों पर भी इसका असर पड़ेगा। अगर उत्पादन ज़्यादा है और माँग भी अच्छी है, तो कीमतें स्थिर रह सकती हैं या थोड़ी बढ़ सकती हैं (क्योंकि लोगों के पास पैसा ज़्यादा है)।

› चौथा कदम: तो, हम कह सकते हैं कि गाँव में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और सामान्य वस्तुओं की कीमतें या तो स्थिर रहेंगी या थोड़ी बढ़ेंगी।

उत्तर – उत्पादन बढ़ने से गाँव में रोजगार का स्तर बढ़ेगा, और सामान्य वस्तुओं की कीमतें स्थिर या थोड़ी बढ़ेंगी।

उदाहरण 3. मान लीजिए एक देश की अर्थव्यवस्था में 100 अलग-अलग वस्तुएँ बनती हैं। इन सबको अलग-अलग देखने के बजाय, समष्टि अर्थशास्त्र में 'प्रतिनिधि वस्तु' का उपयोग कैसे करते हैं?

› हम सारी 100 वस्तुओं के उत्पादन, कीमत और रोज़गार के आंकड़ों का औसत निकाल लेंगे।

› इस औसत को ही हम 'प्रतिनिधि वस्तु' का स्तर मान लेंगे।

› अगर इस 'प्रतिनिधि वस्तु' का उत्पादन बढ़ता है, तो इसका मतलब होगा कि उन 100 वस्तुओं का कुल औसत उत्पादन बढ़ा है।

› इससे हम पूरी अर्थव्यवस्था की स्थिति को एक ही इकाई से आसानी से समझ सकते हैं, बिना हर एक वस्तु का हिसाब रखे।

उत्तर – प्रतिनिधि वस्तु इन सभी वस्तुओं के औसत को दर्शाती है, जिससे विश्लेषण आसान हो जाता है।

उदाहरण 4. नीचे दिए गए कथनों में से पहचानिए कि कौन-सा 'व्यष्टि अर्थशास्त्र' से संबंधित है और कौन-सा 'समष्टि अर्थशास्त्र' से:

› कथन 1: 'एक उपभोक्ता अपनी सीमित आय में अधिकतम संतुष्टि कैसे प्राप्त करे?'

› यह एक व्यक्ति या उपभोक्ता के व्यवहार पर केंद्रित है। यह 'व्यक्तिगत आर्थिक एजेंटों' की बात कर रहा है। इसलिए, यह 'व्यष्टि अर्थशास्त्र' है।

› कथन 2: 'किसी देश में कुल बेरोजगारी दर का अध्ययन'

› यह एक व्यक्ति की बेरोजगारी की बात नहीं कर रहा, बल्कि पूरे देश की 'कुल बेरोजगारी दर' की बात कर रहा है, जो 'समग्र अर्थव्यवस्था' से संबंधित है। इसलिए, यह 'समष्टि अर्थशास्त्र' है।

› कथन 3: 'एक फर्म द्वारा अपने उत्पादों की कीमत निर्धारित करना'

› यह एक 'व्यक्तिगत फर्म' के निर्णय से संबंधित है, न कि पूरे उद्योग या अर्थव्यवस्था के। इसलिए, यह 'व्यष्टि अर्थशास्त्र' है।

› कथन 4: 'एक देश की राष्ट्रीय आय में वृद्धि के कारणों का विश्लेषण'

› यहां 'राष्ट्रीय आय' की बात हो रही है, जो पूरे देश की आय का माप है। यह 'समग्र अर्थव्यवस्था' के स्तर पर विश्लेषण है। इसलिए, यह 'समष्टि अर्थशास्त्र' है।

उत्तर – कथन 1: व्यष्टि अर्थशास्त्र, कथन 2: समष्टि अर्थशास्त्र, कथन 3: व्यष्टि अर्थशास्त्र, कथन 4: समष्टि अर्थशास्त्र

उदाहरण 5. भारतीय सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 'जल जीवन मिशन' शुरू किया। यह किस प्रकार का आर्थिक निर्णय है - व्यष्टिगत या समष्टिगत? और इसका उद्देश्य क्या है?

› पहला कदम: हमें यह देखना होगा कि यह निर्णय एक व्यक्ति, एक फर्म के लिए है, या पूरे समाज के लिए। 'ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल' एक बड़े समूह को प्रभावित करता है।

› दूसरा कदम: यह एक 'समष्टिगत' (macroeconomic) निर्णय है क्योंकि यह एक बड़े समुदाय यानी ग्रामीण जनसंख्या को लाभ पहुँचाता है।

› तीसरा कदम: इसका उद्देश्य 'सार्वजनिक कल्याण' (public welfare) है, यानी लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाना, न कि किसी एक व्यक्ति या कंपनी का लाभ बढ़ाना।

उत्तर – यह एक समष्टिगत आर्थिक निर्णय है जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में 'सार्वजनिक कल्याण' और 'स्वास्थ्य सुधार' है।

उदाहरण 6. महामंदी से पहले अर्थशास्त्रियों का अर्थव्यवस्था के बारे में क्या दृष्टिकोण था, और महामंदी ने उस दृष्टिकोण को कैसे बदला?

› महामंदी से पहले, अधिकांश अर्थशास्त्री 'क्लासिकी परंपरा' में विश्वास करते थे।

› वे मानते थे कि 'all workers who are willing to work will find employment' (सभी इच्छुक श्रमिकों को काम मिलेगा) और 'all factories will operate at their full capacity' (सभी कारखाने अपनी पूर्ण क्षमता पर कार्य करेंगे)।

› उनका मानना था कि अर्थव्यवस्था में कोई भी असंतुलन अपने आप ठीक हो जाएगा, इसलिए सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है।

› लेकिन 1929 की महामंदी के दौरान 'output and employment levels' में 'severe decline' (भारी गिरावट) देखी गई, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेरोज़गार हो गए और कारखाने बंद पड़ गए।

› इसने 'classical tradition' के सिद्धांतों को गलत साबित कर दिया, क्योंकि अर्थव्यवस्था अपने आप ठीक नहीं हो रही थी।

› जॉन मेनार्ड कीन्स जैसे अर्थशास्त्रियों ने समझाया कि सरकार को अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए हस्तक्षेप करना होगा, जैसे लोगों को काम देना और माँग बढ़ाना।

› महामंदी ने यह दिखाया कि अर्थव्यवस्था हमेशा 'full employment' पर नहीं रहती और सरकारी नीतियों की ज़रूरत होती है, जिससे 'macroeconomics' का एक अलग शाखा के रूप में उद्भव हुआ।

› अतः, महामंदी ने 'स्वयं-सुधार' के क्लासिकी दृष्टिकोण को बदलकर 'सरकारी हस्तक्षेप' की आवश्यकता वाले आधुनिक समष्टि अर्थशास्त्र के दृष्टिकोण को जन्म दिया।

उत्तर – महामंदी से पहले, अर्थशास्त्री 'क्लासिकी परंपरा' में विश्वास करते थे, जिसमें माना जाता था कि अर्थव्यवस्था स्वयं-सुधार कर लेगी और सभी को रोज़गार मिलेगा। महामंदी ने इस विचार को गलत साबित किया, क्योंकि बड़े पैमाने पर बेरोज़गारी और उत्पादन में गिरावट आई। इससे जॉन मेनार्ड कीन्स जैसे अर्थशास्त्रियों ने 'सरकारी हस्तक्षेप' की आवश्यकता पर ज़ोर दिया, जिससे समष्टि अर्थशास्त्र का एक अलग शाखा के रूप में उद्भव हुआ।

उदाहरण 7. मान लीजिए एक उद्यमी ने एक छोटा कपड़े का कारखाना लगाया। बताइए यह पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताओं को कैसे दर्शाता है?

› पहला कदम: 'उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व' - उद्यमी ने अपनी पूंजी लगाकर ज़मीन खरीदी या किराए पर ली, और मशीनें खरीदीं। ये सब उसकी निजी संपत्ति हैं।

› दूसरा कदम: 'बाज़ार में बेचने के लिए उत्पादन' - वह कपड़े अपने घर में पहनने के लिए नहीं, बल्कि बाज़ार में ग्राहकों को बेचकर लाभ कमाने के लिए बना रहा है।

› तीसरा कदम: 'मजदूरी पर श्रम का क्रय-विक्रय' - उसने कपड़े बनाने के लिए कुछ कारीगरों और मज़दूरों को काम पर रखा है, और बदले में उन्हें हर महीने एक निश्चित 'मज़दूरी' दे रहा है।

उत्तर – इस प्रकार, उद्यमी का यह कपड़े का कारखाना तीनों प्रमुख विशेषताओं (निजी स्वामित्व, बाज़ार हेतु उत्पादन, मजदूरी पर श्रम) के साथ पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली को दर्शाता है।

उदाहरण 8. अगर आपको भारतीय अर्थव्यवस्था के एक मॉडल का चित्रण करना हो, तो उसके चार मुख्य घटक क्या होंगे और वे क्या दर्शाते हैं?

› पहला घटक है 'परिवार' (Households)। इसमें हम जैसे लोग आते हैं, जो वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करते हैं और उत्पादन के कारकों (जैसे श्रम) के मालिक होते हैं।

› दूसरा घटक है 'फर्म' (Firms)। ये वो इकाइयाँ हैं जो वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती हैं और उन्हें बेचती हैं, जैसे कोई फैक्ट्री या दुकान।

› तीसरा घटक है 'सरकार' (Government)। सरकार नियम बनाती है, टैक्स इकट्ठा करती है, और सार्वजनिक सेवाएं (जैसे स्कूल, अस्पताल, सड़कें) प्रदान करती है।

› और चौथा, 'बाह्य क्षेत्रक' (External Sector)। इसमें दूसरे देशों के साथ हमारे व्यापार और लेन-देन आते हैं, जैसे हम कुछ सामान निर्यात करते हैं या कुछ आयात करते हैं।

उत्तर – अर्थव्यवस्था के चार मुख्य घटक 'परिवार', 'फर्म', 'सरकार' और 'बाह्य क्षेत्रक' हैं, जो क्रमशः उपभोग, उत्पादन, नियमन और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को दर्शाते हैं।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा समष्टि अर्थशास्त्र की नींव है। बोर्ड परीक्षा में इसके महत्व या उदाहरणों पर सीधे प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए इसे अच्छे से समझना ज़रूरी है।

• यह अवधारणा सीधे-सीधे परीक्षा में कम आती है, लेकिन समष्टि अर्थशास्त्र के अन्य बड़े सवालों को समझने के लिए इसकी भूमिका को जानना ज़रूरी है।

• व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र के बीच के अंतर को उदाहरणों के साथ स्पष्ट करने वाले प्रश्न अक्सर बोर्ड परीक्षा में पूछे जाते हैं। इन दोनों के बीच के प्रमुख भेद और उनके उदाहरणों को अच्छे से याद रखना।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में 'समष्टिगत आर्थिक एजेंट' और उनके 'सार्वजनिक उद्देश्यों' पर छोटे प्रश्न या अंतर स्पष्ट करने में आ सकता है।

• जॉन मेनार्ड कीन्स और उनकी पुस्तक 'द जनरल थ्योरी' का उल्लेख महामंदी के प्रभाव और समष्टि अर्थशास्त्र के उद्भव से जुड़े सवालों में करना बहुत महत्वपूर्ण है। यह आपको पूरे अंक दिलवाएगा।

• यह प्रश्न 'macroeconomics' के मूलभूत सिद्धांतों को समझने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और सीधे 'पूंजीवादी अर्थव्यवस्था की विशेषताओं' के रूप में बोर्ड परीक्षा में पूछा जा सकता है। तीनों विशेषताओं को उदाहरण के साथ स्पष्ट करना ज़रूरी है।

एक नज़र में रिवीज़न

› उत्पादन, कीमत, रोजगार स्तर का अर्थव्यवस्था में एक साथ संचलन।

› प्रतिनिधि वस्तु = अर्थव्यवस्था के औसत उत्पादन/कीमत का सरलीकृत रूप।

› व्यष्टि = व्यक्तिगत एजेंट; समष्टि = समग्र अर्थव्यवस्था

› समष्टि एजेंट सार्वजनिक लक्ष्यों (राज्य, RBI) के लिए कार्य करते हैं, व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं।

› कीन्स की 'जनरल थ्योरी' और 1929 की महामंदी ने समष्टि अर्थशास्त्र को जन्म दिया।

› पूंजीवादी अर्थव्यवस्था: निजी स्वामित्व, बाज़ार हेतु उत्पादन, मजदूरी पर श्रम।